

29/01/2021

पत्रावली वेब डूरी अखिवक्ता प्राचीन उपान्त
वियोग के जोरत कार शामिल पुस्तक वियोग
उपान्त नही। आवाज लगवाई गई उपान्त
नही। न्यायालय समग्र समाप्त होते से पूर्व
पुनः आवाज लगवाई गई वियोग उपान्त
नही। अतः वियोग के विच्छेद एक पक्षीय
कार्यवाही के अंतर्गत लिए जाते हैं वही प्रकार
अखिवक्ता प्राचीन डूरी गई।

हमने पत्रावली का अखिवक्ता का अखिवक्ता
प्राचीन की वही पर भक्त किया। प्राचीन
नकाश जमावरी सन्वत् 2070-2073 अनुदा
ग्राम वराडा प. ह. ओखरी तहसील चित्तौडा
की भा. नं. 179 रकबा 0.68, 714/190 रकबा
0.66 कील 2 रकबा 1.34 हे० के स्वतःदार हैं।
अतः प्राचीन का प्राचीन पर अन्तगत
धारा 128 पर अंत स्वीकार किया जाकर
प्राचीन की ग्राम वराडा प. ह. ओखरी
अन्त स्वतःदारी की आराजी नम्बर 179,
714/190 कील 2 कुल रकबा 1.34 हे० भूमि
की बिना किसी के कब्जे से दखलादारी किए
लेखने नम्बरे अनुदा पर अन्तगदी किए जाने
के आदेश दिए जाते हैं। पत्थरगदी शुल्क
1000.00 रूपर अक्षरे एक हजार रूपर प्राचीन
वहन करेगे। पालनार्थ तहसीलदार चित्तौडा
को लिखा जावे कि पक्षकारों को लिखित
सूचना देकर नियमानुसार पत्थरगदी की जावे
एवं पालन रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करें।
निर्णय लिखाया जाकर उसे इंतजाम हुआया
गया। पत्रावली के लाल शुमार होकर नम्बर
से कम हो।

2020
00010

(श्याम सुन्दर विश्वादी)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
चित्तौडागढ़ (राज.)